हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

12 डीसी समाधान शिविर में सुनी शिकायतें, निदान के...

12 डीसी ने किया दो दिवसीय युवा महोत्सव का शुभारंभ

खबर संक्षेप

नारनौल। आमजन की शिकायत सुनते नगराधीश। फोटो : हरिभूमि

समाधान शिविर में आई 58 शिकायतें

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में नगराधीश डा. मंगल सेन ने लघु सचिवालय में आमजन की शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में कुल 58 शिकायतें आई, जिनमें अधिकतर का मौके पर ही समाधान किया। नगराधीश ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली हर शिकायत का मौके पर ही समाधान करें। उन्होंने कहा कि सरकार की इस अनूठी पहल से आम नागरिकों को अपनी समस्याओं का जल्द निराकरण करवाने का मौका मिल रहा है। इस अवसर पर डीएसपी भारत भूषण के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कैंपर ने बाइक को मारी टक्कर, 2 घायल

कनीना। कनीना-अटेली मार्ग पर भोजावास के समीप हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गए। गांव रामबास निवासी अमित ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह निशांत की बाइक पर सवार होकर भोजावास से अपने गांव जा रहे थे। शाम करीब सवा चार बजे जब वह आईओसी फिलिंग स्टेशन के समीप पहुंचे तो पीछे से कैंपर गाड़ी तेज गति से आई और उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वे बाईक सहित गिर गए। निशांत को गहरी चोट आई। दोनों घायलों को उप नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां चिकित्सकों ने निशांत को प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। कैंपर चालक गांव पडतल का बताया जा रहा है। पुलिस ने अमित की शिकायत पर कैंपर चालक के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

एएनएम ट्रेनिंग स्कूल जिले के पिछड़ेपन की निशानी

3 दशक में भी अपग्रेड नहीं एएनएम ट्रेनिंग स्कूल, सीटें भी नहीं बढ़ी

नारनौल के सरकारी अस्पताल में तीन दशकों से चलाया जा रहा है एएनएम ट्रेनिंग स्कूल, जिसमें 30-30 सीटों के चल रहे दो बैच

राजकुमार ▶▶ नारनौल

करीब तीन दशक पहले सिविल अस्पताल में शुरू किए गए एएनएम ट्रेनिंग स्कूल जिले के पिछड़ेपन की निशानी बना हुआ है। इस ट्रेनिंग स्कूल का गठित सरकारों ने न तो दर्जा बढ़ाकर इसे जीएनएम स्कूल बनाया और न ही इसमें सीटें बढ़ाई। यही वजह है कि जिले में इस समय करीब पांच प्राइवेट जीएनएम कॉलेज चल रहे हैं, जिनमें अभिभावक मोटी फीस देकर अपनी बहन-बेटियों को नर्सिंग का कोर्स कराने को विवश हो रहे हैं। यदि एएनएम स्कूल को जीएनएम ट्रेनिंग स्कूल का दर्जा दे दिया होता तो जीएनएम कर रही बच्चियों को प्राइवेट फीस से काफी हद तक राहत मिल सकती थी।

बता दें कि नारनौल के क्षय रोग केंद्र परिसर में लंबे समय से एएनएम ट्रेनिंग स्कूल स्वास्थ्य विभाग के अधीन चलाया जा रहा है। यह ट्रेनिंग स्कूल सन् 1986 में शुरू किया गया था और बाद में जरूरत के अनुसार इसके हॉस्टल का भी निर्माण किया गया। छात्रावास भवन का उद्घाटन 14 अप्रैल 1990 को तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला द्वारा किया गया है।

▶▶ *एएनएम स्कूल को जीएनएम ट्रेनिंग स्कूल का दर्जा दे दिया होता तो जीएनएम कर रही बच्चियों को प्राइवेट फीस से काफी हद तक राहत मिल सकती थी।*

नारनौल। एएनएम ट्रेनिंग स्कूल का भवन।

यह कहती हैं कार्यकारी प्रिंसिपल

फिलहाल एएनएम ट्रेनिंग स्कूल ही चल रहा है। इसमें 30-30 छात्राओं के दो बैच बनाए गए हैं। एडमिशन मेरिट के आधार पर किया जाता है। फिलहाल प्रिंसिपल का पद रिक्त है तथा उन्हें सीनियरटी के आधार पर चार्ज मिला हुआ है। दो महीना पहले ही चार्ज मिला है।

-स्वदेश यादव, कार्यकारी प्राचार्य एएनएम ट्रेनिंग स्कूल नारनौल

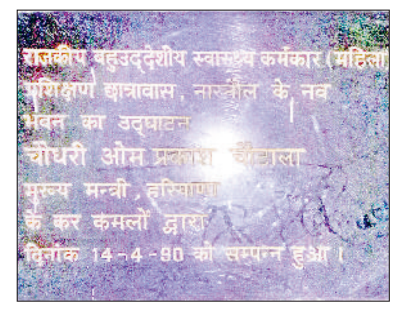

नारनौल। पूर्व सीएम ओपी चौटाला का शिलापट्ट।

एएनएम पाठ्यक्रम अवधि

एएनएम का कोर्स दो वर्ष का होता है तथा छह महीने की इंटर्नशिप भी इसमें शामिल होती है। एएनएम में एडमिशन 12वीं कक्षा के आधार पर होता है। जनरल कैटेगरी में 50 प्रतिशत तथा आरक्षित श्रेणी में 45 प्रतिशत अंक होने अनिवार्य होते हैं। इसके लिए मेडिकल या नॉन मेडिकल होना कोई अनिवार्य नहीं है। आर्ट की स्टूडेंट भी आवेदन कर सकती हैं, लेकिन एडमिशन से पहले मेरिट बनती है और उसी मेरिट में जो छात्राएं टॉप पर आती हैं, उन्हीं 30-30 स्टूडेंट का एडमिशन होता है। यहां बता दें कि जीएनएम का कोर्स करीब साढ़े तीन वर्ष होता है, जिसमें तीन वर्ष का शैक्षणिक अध्ययन और छह महीने की इंटर्नशिप शामिल है।

जिले में चल रहे करीब पांच नर्सिंग कॉलेज

जिले में छात्राएं एएनएम ही नहीं, जीएनएम का भी कोर्स सरकारी कॉलेज से करने को उत्सुक हैं, लेकिन कमाल की बात है कि जिले में पिछले तीन दशकों से अब तक इस एएनएम ट्रेनिंग स्कूल के साथ–साथ जीएनएम कॉलेज खोले जाने की भी आवश्यकता है, किंतु अब तक इस एएनएम स्कूल का दर्जा बढ़ाकर इसे जीएनएम का दर्जा नहीं दिया गया। जबकि गौर करने वाली बात है कि इसके पश्चात जिले में करीब पांच प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज चल रहे हैं, लेकिन एएनएम स्कूल की सुध न कोई जनप्रतिनिधि ले रहे हैं और न ही सरकार।

महज 30-30 सीटों के दो बैच

इस एएनएम ट्रेनिंग स्कूल में एएनएम कक्षा के दो बैच लंबे समय से चलाए जा रहे हैं। एक बैच 30 सीटों का बनाया गया है। दो बैच होने के चलते कुल 60 सीटें बनती हैं। इस प्रकार वर्तमान में 60 सीटों पर एएनएम का एडमिशन दिया जा रहा है। कमाल की बात यह है कि एएनएम ट्रेनिंग के लिए अनेक छात्राएं ऐसी होती हैं, जिन्हें यहां आवेदन करने के बावजूद ऊंची मेरिट के चलते एडमिशन नहीं हो पाता है। आवेदन सैकड़ों में आते हैं, जबकि सीटें केवल 60 ही निर्धारित हैं।

यह लगती है फीस

सरकारी ट्रेनिंग स्कूल में एडमिशन लेने पर एएनएम की फीस 10,000-20,000 प्रतिवर्ष लगती है, जबकि निजी कॉलेजों में 40,000-50,000 हजार रुपये प्रतिवर्ष लगती है। छात्रावास शुल्क सहित कुल लागत 60 हजार या इससे ज्यादा भी हो सकता है।

महेंद्रगढ़। मकान में लगी आग पर काबू पाते हुए। फोटो : हरिभूमि

शहर की शंकर कॉलोनी के मकान में लगी आग

- पांच एलपीजी गैस सिलेंडरों को सुरक्षित निकालने से टला बड़ा हादसा
- दमकल कर्मियों ने पाया आग पर काबू, कारणों का अभी खुलासा नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर की शंकर कॉलोनी में अज्ञात कारणों के चलते एक मकान में आग लग गई। इस घटना में घर का पूरा सामान जल गया, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार शंकर कॉलोनी स्थित मकान में दोपहर बाद लगी आग इतनी भीषण थी कि मकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड कर्मचारी प्रदीप ने बताया कि उन्हें दोपहर दो बजे के बाद बालाजी चौक के पास स्थित शंकर कॉलोनी के एक मकान में आग लगने की सूचना मिली। टीम इंचार्ज संजय कुमार के नेतृत्व में फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी तुरंत मौके पर पहुंची। दूसरी फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी बुलाई गई। टीम ने सबसे पहले मकान के अंदर रखे पांच एलपीजी के गैस सिलेंडरों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे एक संभावित बड़े विस्फोट का खतरा टल गया।

फायर ब्रिगेड की टीम ने लगभग सवा घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस घटना में मकान में रखा बेड, घरेलू सामान, कपड़े, दरवाजे, खिड़कियां व फ्रिज सहित अन्य सभी सामान जलकर राख हो गए। समय रहते आग पर काबू पा लेने से एक बड़ा हादसा टल गया। मकान में मौजूद एक महिला को आग लगने से पहले ही सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। मकान पूरी तरह से जल गया है। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने लोगों से अपील की है कि आगजनी की घटनाओं पर जल्द काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को रास्ता दिया जाए।

21 वर्षीय नैंसी गोयल चार्टड अकाउंटेंट बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

- नैंसी ने सीए फाउंडेशन घर पर पढ़ाई कर उत्तीर्ण किया

ओपी गुप्ता मेमोरियल सोसायटी के चेयरमैन राजेश गोयल की बेटी नैंसी गोयल ने चार्टड अकाउंटेंट बनकर अपने माता-पिता व परिवार का नाम रोशन किया है। नैंसी ने सीए फाउंडेशन घर पर पढ़ाई कर उत्तीर्ण किया। इसके बाद टीआर चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी गुरुग्राम से चार्टड अकाउंटेंट का तीन वर्षीय प्रशिक्षण प्राप्त किया और प्रथम प्रयास में ही चार्टड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की।

21 वर्षीय नैंसी ने संभवत इस क्षेत्र में सबसे कम उम्र में चार्टड अकाउंटेंट की परीक्षा को उत्तीर्ण किया है जो उसकी बौद्धिक क्षमता का परिचायक है। वहीं नैंसी का कहना है कि हमें बड़ों से उनके ज्ञान और अनुभव से सीखना चाहिए और जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें खुद पर विश्वास करना चाहिए। चार्टड अकाउंटेंट होने के नाते नैंसी गोयल राष्ट्र के आर्थिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना चाहती हैं। नैंसी ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां मंजू गोयल सहित समस्त गंडालिया परिवार को दिया है। नैंसी गोयल की उपलब्धि पर परिवार, मित्रों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने बधाई दी है।

नारनौल से कोसली के लिए नई बस सेवा शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- यात्रियों को मिलेगा फायदा

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रोडवेज विभाग ने नारनौल से कोसली के लिए नई बस सेवा शुरू की है। नई बस सेवा शुरू होने से अब इस मार्ग पर रहने वाले लोगों को निजी वाहनों या अन्य साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। डिपो के महाप्रबंधक देवदत्त ने बताया कि यात्रियों की लगातार मांग को देखते हुए विभाग ने यह नई बस सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। नई बस सेवा का संचालन छह नवंबर से शुरू कर दी गई है। यह बस नारनौल से वाया अटेली, राता, भोजावासा, कनीना, लुखी व नाहड़ होते हुए कोसली जाएगी। इस मार्ग के शुरू होने से महेंद्रगढ़ व रेवाड़ी के अनेक अनेक गांवों के यात्रियों को फायदा मिलेगा। महाप्रबंधक ने बताया कि यह बस सुबह 9:30 बजे बस नारनौल से रवाना होकर सुबह 11:10 बजे कनीना पहुंचेगी। वहीं दोपहर 12:00 बजे कोसली से वापस चलकर इसी मार्ग से नारनौल पहुंचेगी। विभाग का कहना है कि यदि इस रूट पर यात्रियों की संख्या बढ़ती है, तो भविष्य में बसों की संख्या और फेरे भी बढ़ाए जा सकते हैं। स्थानीय लोगों ने रोडवेज विभाग के इस निर्णय का स्वागत किया है। उनका कहना है कि यह बस सेवा खासकर विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम यात्रियों को राहत मिलेगी।

सर्दी की शुरुआत होते ही बढ़ने लगी चोरी की घटनाएं

- घरेलू कीमती सामान व खेत में रखे कृषि उपकरण चोरों के निशाने पर

कनीना। सर्दी की शुरुआत होने के साथ-साथ क्षेत्र में चोरी की घटनाएं होने लगी हैं। घरेलू कीमती सामान एवं खेतों में रखे कृषि उपकरण चोरों के निशाने पर हैं। गांव कोटिया में अज्ञात चोरों ने घर में दबिश देकर जेवरात सहित दस हजार रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घर के मालिक मोहनप्रकाश ने सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पिछले दो साल से सपरिवार गुरुग्राम में रह रहा है। उनके पडोसी ने मोबाईल फोन पर सूचना दी कि उसके घर के दरवाजे खुले पड़े हैं। वह घर पहुंचा तो देखा कि घर सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ है। जांच करने पर जेवरात सहित 10 हजार रुपये की नकदी भी गायब मिली। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। दूसरी ओर कनीना के वार्ड दो निवासी सुभाष चंद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके सीहोर-छितरौली रोड स्थित कुएं से अज्ञात चोर फसल सिंचाई में इस्तेमाल होने वाले पांच एल्यूमीनियम के पाइप चोरी कर ले गए। उन्होंने बताया कि उनके साथ ही पडोस के किसान मनोज के पांच, ओमप्रकाश के 15 पाईप चोरी हुए हैं। पुलिस ने चोरों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। किसानों व ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

‘मतदान की लूट’ और ‘जनादेश की चोरी’ के खिलाफ रोष प्रदर्शन

चुनाव आयोग का पुतला फूंककर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कांग्रेस पार्टी की ओर से मतदान की लूट और जनादेश की चोरी अभियान के तहत वीरवार को जिला स्तर पर रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान चितवन वाटिका से लेकर महावीर चौक तक प्रदर्शन किया। इसके बाद चुनाव आयोग का पुतला फूंका गया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व जिला अध्यक्ष सत्यवीर झुकिया ने की।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में भाजपा सरकार ने मशीनरी, घनबल के दबाव में खुलेआम दुरुपयोग किया। जिससे जनता का असली जनादेश चुरा लिया गया और प्रदेश की जनता का लोकतंत्र पर विश्वास हिला दिया। विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार जनता के जनादेश की रक्षा के लिए सड़को पर उतरेगी और इस वोट चोरी का पर्दाफास करने का काम करेगी। महिला जिला अध्यक्ष राज सुनेश ने कहा कि वोट चोरी एच फाइल्स ने भाजपा व चुनाव आयोग को झकझोर कर रख दिया, संगठित वोट चोरी केवल कोई गलती नहीं बल्कि ये जनता के जनादेश को चुराने का संगठित अपराध है। यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण राव ने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी द्वारा दिल्ली में की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस ने भाजपा व चुनाव आयोग के तालमेल के खेल का पर्दाफाश करने का काम किया व हरियाणा में लोकतंत्र का अपहरण हुआ है और ये केवल हरियाणा की बात नहीं बल्कि पूरे देश के लोकतंत्र की लड़ाई है।

नारनौल। महावीर चौक पर पुतला फूंकते कांग्रेस नेता।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अनीता यादव के पति डॉक्टर ओमकार सिंह सूरज बोहरा, जिला बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एवं एडवोकेट मंजीत यादव एडवोकेट, मनपाल पटीकरा, कुलदीप भरगढ़, पुनीत बुलाना, युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप सरपंच, राजू सरपंच, टिलो सरपंच, मनोज पटीकरा, कैलाश पहलवान, धीरज शर्मा, दयानंद सोनी, एडवोकेट सुरेन्द्र, तेजपाल, रविंद्र मांदी, संदीप राव, सुरेन्द्र सरपंच व अन्य सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

मोहल्ला खटीकान के लोगों ने पुलिस प्रशासन के प्रति की नारेबाजी

महेंद्रगढ़। बीते दिनों हुई चोरी के मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए वीरवार को मोहल्ला खटीकान के लोगों ने पंचायत कर रोष प्रकट किया। पंचायत के बाद बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष लघु सचिवालय पहुंचे और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इसके बाद लोगों ने डीसी कैप्टन मनोज कुमार को ज्ञापन सौंपा और निष्पक्ष जांच की मांग की। डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने शिकायतकर्ताओं को आश्वासन दिया कि मामले की पूरी निष्पक्षता से जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि डीएसपी और एसपी स्वयं इस प्रकरण की निगरानी करेंगे और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर कार्रवाई होगी। उन्होंने मौके पर एसपी से फोन पर बातचीत कर मामले की रिपोर्ट तलब करने के निर्देश भी दिए। बता दें कि करीब पखवाड़ा पूर्व मोहल्ला खटीकान में चोरी की एक बड़ी वारदात हुई थी। मोहल्ला निवासी माया देवी पत्नी नथू राम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 और 25 सितंबर की मध्य रात्रि को अज्ञात चोर उसके मकान के पीछे से दीवार फांदकर घर में घुसे और कमरे का ताला तोड़कर लोहे का बक्सा चोरी कर ले गए।

नेशनल हेल्थ मिशन में कार्यरत महिला एमपीएचडब्ल्यू की लंबित मांगों को पूरा करें सरकार: राज्य प्रधान शर्मिला

सीएमओ से मिल सौंपा सीएम के नाम मांग पत्र

मांगों को लेकर अस्पताल गेट पर धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत महिला एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर एमपीएचई एसोसिएशन ने प्रदेशभर में सिविल सर्जन कार्यालयों पर रोष प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की व रोष जताया तथा सिविल सर्जन के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन पत्र सौंपते हुए मांगों को हल कराने की मांग की।

धरने को संबोधित करते हुए एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी ने कहा कि एनएचएम प्रोजेक्ट के नाम पर वर्ष 1998 से महिला एमपीडब्ल्यू (एएनएम) कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है। बेटी बचाओ का नारा देने वाली सरकार में बेटियां अपने हकों के लिए आंदोलन का रास्ता चुनने को विवश हैं, लेकिन बार–बार पत्राचार एवं वार्ता के बावजूद सरकार की योजनाओं को धरातल स्तर पर पहुंचाने वाली महिला कर्मचारियों की आधारभूत मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। महिला कर्मचारी आर्थिक एवं मानसिक शोषण का शिकार हैं। माननीय उच्चत्तम न्यायालय के समान काम समान वेतन के आदेशों के बावजूद महिला कर्मचारी नाममात्र वेतन पर कार्य करने को मजबूर हैं। उन्हें नियमित कर्मचारियों की तर्ज पर ड्रेस एलाउंस, यात्रा भत्ता एवं एमसीएच अलाउंस तथा यहां तक की सेवानिवृत्ति पर भी कोई सम्मानजनक राशि का प्रावधान नहीं किया गया है, जो कि बेहद चिंतनीय विषय है।

जिला प्रधान धर्मवीर यादव ने कहा कि आज मांगें पूरी न होने के रोष स्वरूप ज्ञापन सौंपते हुए मांगों को हल करने की अपील की गई है। यदि सरकार द्वारा कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं की जाती तो सप्ताहभर में राज्य स्तरीय मीटिंग बुलाते हुए आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। प्रदेश का एमपीएचडब्ल्यू वर्ग आंदोलन की राह पर होगा व आमजन को होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों की पूर्ण जिम्मेदारी सरकार की होगी।

नारनौल। नागरिक अस्पताल में धरने पर नारेबाजी करती स्टेट अध्यक्ष शर्मिला एवं कर्मचारी व सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार को ज्ञापन सौंपते हुए।

यह रहे मौजूद

धरने में रणसिंह मालड़ा, विपिन कुमार, पिंकी यादव, महेश कुमार, मनोज, राजेंद्र, वेदप्रकाश, लक्ष्मण, राकेश कुमार, विजय कुमार, सर्व कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव महेंद्र बोयत, जिला प्रधान कौशल यादव, सचिव दर्शना कुमार, सुनीता देवी आदि मौजदू रही।

यह हैं मांगें

एनएचएम एवं अर्बन पीएचसी में कार्यरत महिला एमपीएचडब्ल्यू को कैडर के मूल वेतनमान एफपीएल 6,(4200) ग्रेड पे का लाभ दिया जाए। नियमित बहुउदेश्य कार्यकर्ता महिला की भांति एनएचएम में कार्यरत कर्मियों को भी एमसीएच अलाउंस, ड्रेस अलाउंस और एफटीए दिया जाए। एनएचएम में कार्यरत महिला एमपीएचडब्लयू को नियमित भर्ती में अनुभव का लाभ दिया जाए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत महिला एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारियों के लिए इंटर डिस्ट्रिक्ट एवं इंट्रा डिस्ट्रिक्ट ट्रान्सफर पॉलिसी फ्रेम की जाए। दूर घर से बाहर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही महिला कर्मचारियों को राहत प्रदान की जाए। रिटायरमेंट बेनिफिट एवं ग्रेजुएटी का लाभ प्रदान किया जाए। ज्ञापन सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार को सौंपा गया।

कनीना। बीकानेर रेलमार्ग पर गुढा केमला समपार रेलवे फाटक से गुजरती रेल।

मंडल अधिकारी रेलवे फाटकों पर संरक्षित रेल संचालन को लेकर अलर्ट

- सुरक्षा के चलते समपार रेलवे फाटक पर रेल गुजरने तक इंतजार करें आमजन

कनीना। सर्दी की शुरुआत होने के साथ-साथ बीकानेर मंडल रेलवे फाटकों पर संरक्षित रेल संचालन को लेकर अलर्ट मोड़ पर है। रेवाडी-बीकानेर रेलपथ पर बनी समपार रेल फाटकों पर रेल कर्मचारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक बीकानेर ने बताया कि रेल मंडल प्रशासन द्वारा समय-समय पर रेल उपभोक्ताओं व आमजन को समपार फाटक पार करने के लिए सुविधाओं को बढा रहा है, वहीं उनकी सुरक्षा से संबंधित नियमों को लेकर काउंसलिंग भी की जा रही है। रेल अधिकारियों की ओर से उपभोक्ताओं एवं आमजन को समपार फाटक बंद होने पर अवैध एवं गैर कानूनन रूप से फाटक पार नहीं करने की हिदायत दी जा रही है। फाटक बंद होने पर खासकर दोपहिया वाहन चालक फाटक के बैरियर के नीचे से स्वयं या वाहन जब तक न ले जाएं। तब तक रेलगाड़ी पूर्ण रूप से फाटक क्रास न कर ले। गेटमैन द्वारा समपार फाटक खोलने पर ही आमजन को फाटक पार करना चाहिए। रेलवे फाटक को आसानी से पार करने के लिए समुचित सड़क तैयार की गई है। रेलवे फाटक पर सामान्य कानूनी नियमों की अवहेलना करने पर रेल अधिनियम एक्ट 1989 के अंतर्गत कानूनी कार्रवाई की जाती है।

सामान्य रूप से पेड़-पौधे प्रकाश-संश्लेषण की क्रिया द्वारा जल, वायु और सूर्य की किरणों की सहायता से अपना भोजन तैयार करते हैं। लेकिन कुछ पौधे ऐसे भी होते हैं, जो छोटे-छोटे जीवों से भी अपना भोजन और पोषण प्राप्त करते हैं। जानो, ऐसे ही कुछ अनोखे कीटभक्षी पौधों के बारे में।

अनोखे पौधे जो करते हैं कीट-पतंगों का शिकार!

वनस्पति जगत

डॉ. दीपक कोहली

बच्चो, प्रकृति में हर जंतु और पौधा अपने-अपने तरीके से जीवन-यापन करता है। लेकिन क्या तुम जानते हो कि कुछ पौधे सिर्फ हवा, पानी और सूरज की रोशनी से नहीं, बल्कि कीड़ों और छोटे जीवों से भी अपना भोजन प्राप्त करते हैं? ऐसे पौधों को कीटभक्षी पौधे कहते हैं।

कहां मिलते हैं, कैसे होते हैं

कीटभक्षी पौधे अकसर दलदली, कीचड़ वाली या खारी मिट्टी वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं। ऐसी मिट्टी में पौधों के लिए जरूरी पोषक तत्व बहुत कम होते हैं। इसलिए ये पौधे अपने भोजन के लिए, कीड़ों, मक्खियों और छोटे कीट-पतंगों पर निर्भर रहते हैं। इन पौधों के पत्ते, फूल और कभी-कभी तने इस तरह विकसित होते हैं कि वे कीड़ों को आकर्षित कर सकें और उन्हें पकड़ सकें। उनके रंग, आकार और खुशबू, कीड़े और छोटे जीवों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। ये कीटभक्षी पौधे दिखने में बहुत सुंदर और रंग-बिरंगे होते हैं। ये पौधे अपनी सुंदरता-मोहकता के साथ-साथ अपने अनोखे शिकार करने के तरीके के लिए भी जाने जाते हैं।

कैसे होता है अंकुरण

कीटभक्षी पौधे मिट्टी से कम पोषक तत्व प्राप्त करने के बावजूद, अपने भोजन/शिकार से जरूरी नाइट्रोजन और फॉस्फोरस प्राप्त कर लेते हैं। इन पौधों के बीज बहुत छोटे होते हैं, इनका अंकुरण बहुत धीरे-धीरे होता है। जब ये पौधे छोटे होते हैं, तो इनके पत्ते बहुत नाजुक और पतले होते हैं। जैसे-जैसे पौधा बड़ा होता है, इनके पत्ते शिकारी बनने लगते हैं। यह पूरी प्रक्रिया बहुत ही अद्भुत और जादुई लगती है। कौन-कौन से पेड़-पौधे कीटभक्षी होते हैं, यह भी जानो-

लंबे गिलास या घड़े के आकार का पौधा पिचर प्लांट

इसे पिटकॉल ट्रैप प्लांट के नाम से भी जाना जाता है। पिचर प्लांट में लंबे गिलास या घड़े जैसे पत्ते होते हैं, जिनके अंदर रस या पाचन एंजाइम भरा रहता है। कीड़े-मकोड़े इस रस की ओर आकर्षित होकर पत्ते में गिर जाते हैं। इसकी चिकनी सतह और फिसलन भरे नीचे की ओर झुके बालों के कारण इसमें फंसे कीट बाहर नहीं निकल नहीं पाते। यह पौधा पाचन एंजाइम की सहायता से कीड़े को पचा लेता है। अपने रंग और आकार के अनूठेपन के कारण पिचर प्लांट को 'प्रकृति का जादू' भी कहा जाता है।

ओस जैसी बूंदों से चिपका लेता है सनड्यूज प्लांट

सनड्यूज प्लांट बहुत ही नाजुक और सुंदर होता है।

इसके पत्तों पर लंबे तंतु बने होते हैं। इन तंतुओं के सिरे पर एक चिपचिपी ग्रंथि पाई जाती है, जो धूप में ओस (ड्यू) की बूंदों जैसी चमकती है। इसीलिए इसका नाम 'सनड्यूज' पड़ा। ये चमकदार बूंदें जैसी ग्रंथियां कीड़ों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। कीड़ा इन बूंदों से चिपक जाता है और पत्ते धीरे-धीरे उसे पचा लेते हैं।

शिकार को झपटकर पकड़ता है वीनस फ्लाईट्रैप

वीनस फ्लाईट्रैप नामक कीटभक्षी पौधा, अपने पत्तों को दो भागों में खुला रखता है। पत्तों के किनारों पर मोटे कांटेनुमा संरचना होती है। इसके भीतरी हिस्से पर छोटे-छोटे बाल पाए जाते हैं। जब कोई कीड़ा इन अंदरूनी बालों को छूता है, तो ये खुले पत्ते झपट्टा मारकर तुरंत बंद हो जाते हैं। इसमें मौजूद पाचन एंजाइम के कारण फ्लाईट्रैप में फंसा कीड़ा धीरे-धीरे पचकर या मेल्ट होकर पौधे को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है।

बच्चो, यह समझना बहुत जरूरी है कि ये पौधे बहुत नाजुक होते हैं। इन्हें इनके प्राकृतिक आवास से निकालना या तोड़ना बिल्कुल सही नहीं है। इन्हें देखने के लिए तुम बॉटेनिकल गार्डन या रिजर्व फॉरेस्ट में जा सकते हो। ये कीटभक्षी पौधे हमें यह भी याद दिलाते हैं कि हर जीव और पौधा अपने

तरीके से जीवन जीता है। प्रकृति ने इन्हें अलग-अलग विशेषताओं से युक्त बनाया है। ये कीटभक्षी पौधे जैव विविधता (बायो डायवर्सिटी) को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तो जब भी तुम जंगल या किसी बॉटेनिकल गार्डन में जाओ, तो इन छोटे शिकारी पौधों को ध्यान से देखो और उनके अनोखेपन का आनंद लो। *

मेंढक-गिरगिट जैसे जंतु भी हो जाते हैं ट्रैप

बच्चो, ये कीटभक्षी पौधे कीट-पतंगे, कीड़े-मकोड़े का भक्षण तो करते ही हैं, कभी-कभी छोटे मेंढक, गिरगिट या अन्य छोटे जंतु भी इनके जाल में फंस जाते हैं। है न कमाल की बात! ये सभी कीटभक्षी पौधे अपनी अनोखी शिकार तकनीक के लिए जाने जाते हैं।

दुनिया का सबसे छोटा आईलैंड
जहां हैं केवल एक घर-एक पेड़

बच्चो, तुमने अपनी जीके की बुक में दुनिया के सबसे बड़े आईलैंड ग्रीनलैंड के बारे में पढ़ा होगा। लेकिन क्या तुम सबसे छोटे आईलैंड के बारे में जानते हो? यहां हम तुम्हें स्मॉलेस्ट आईलैंड 'जस्ट रूम एनफ' के बारे में बता रहे हैं।

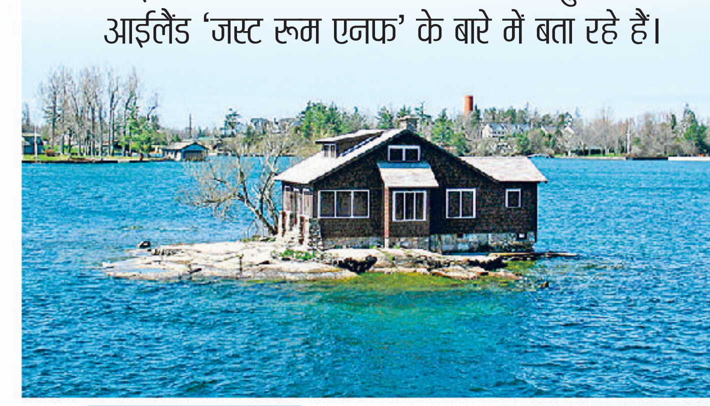

रोचक

रेखा शाह आरबी

बच्चो, आईलैंड यानी द्वीप जमीन का ऐसा टुकड़ा होता है, जो चारों तरफ पानी से घिरा होता है। दुनिया में अलग-अलग आकार-प्रकार और विशेषताओं वाले कई आईलैंड स्थित हैं। घूमने-फिरने के शौकीन लोग मौज-मस्ती और नेचर के करीब कुछ समय गुजारने के लिए ऐसे आईलैंड की यात्रा करना खूब पसंद करते हैं। ऐसे द्वीपों की प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता और अन्य विशेषताएं पर्यटकों को खूब पसंद आती हैं। यहां की शांति, साफ-सुथरा वातावरण पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। दरअसल, सामान्य स्थल की तुलना में आईलैंड यानी द्वीप अधिक शांत और प्रदूषणमुक्त होते हैं।

अनेक द्वीप हैं दुनिया में: दुनिया भर में अनेक फेमस आईलैंड्स हैं, जैसे- ग्रीनलैंड, न्यू गिनी, बोर्नियो, मेडागास्कर, सुमात्रा आदि। अपने देश में भी लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार जैसे खूबसूरत आईलैंड हैं। ये सभी आईलैंड्स अपनी-अपनी खूबियों के लिए प्रसिद्ध हैं।

जस्ट रूम एनफ आईलैंड: यह तो तुमको पता होगा कि दुनिया का सबसे बड़ा आईलैंड, ग्रीनलैंड है। इसका क्षेत्रफल 2,166,086 वर्ग किलोमीटर है। लेकिन क्या तुम जानते हो कि दुनिया का सबसे छोटा आईलैंड कौन-सा है? नहीं पता, चलो हम बताते हैं। दुनिया के सबसे छोटे आईलैंड का नाम है 'जस्ट रूम एनफ' आईलैंड। यह अमेरिका के न्यूयॉर्क में सेंट लॉरेंस नदी में स्थित है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि यह आईलैंड इतना छोटा है कि इस पर केवल एक मकान बनाने भर की ही जगह है। आईलैंड के छोटे आकार को देखते हुए ही इसका नाम जस्ट रूम एनफ रखा गया है। इस पूरे आईलैंड का फैलाव मात्र 3,300 स्क्वायर फीट तक ही सीमित है। इस आईलैंड पर एक घर, एक पेड़ के अलावा कुछ झाड़ियां ही हैं। पहले इस आईलैंड का नाम 'हब आईलैंड' था। साल 1950 में किसी धनी व्यक्ति ने इसको खरीद कर इस पर मकान बनवाया और एक पौधा लगाया। जो अब एक पेड़ बन चुका है। जब इस पर मकान बनकर तैयार हो गया तो इसका नाम हब आईलैंड से बदल कर जस्ट रूम एनफ कर दिया गया। नदी के किनारे से देखने पर यह आईलैंड बहुत मनमोहक लगता है। इसकी सुंदरता को करीब से देखने के लिए दुनिया भर के सैलानी यहां पर घूमने-फिरने के लिए आते रहते हैं। अपने सबसे छोटे आकार के कारण ही इस आईलैंड का नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। *

कविता / ओम निश्चल

उठो सुबह की वेला आई!

उठो सुबह की वेला आई!
उमग-उमग कर चिड़ियां चहकीं
कोयल लेती है अंगड़ाई।
सूरज कब का जगा हुआ है
देखो बाल सूर्य की किरणें
दूर पहाड़ी पर हिरणों की
टोली आई सबसे मिलने
बच्चे इनके खेल रहे हैं
आपस में ही छुपम-छुपाई।
उठो सुबह की वेला आई!
कलश लिए चल पड़ी सुबह ही
देखो पनिहारिन की टोली
बिना हलक की प्यास मिटे
कैसे निकलेगी मुंह से बोली
वो क्या जानें संघर्षों को
जिनके पांव न फटी बिवाई।
उठो सुबह की वेला आई!
चादर तान देर तक सोई
हुई देख लो अभी टिटहरी
मगर पपीहा बजा रहा है
कब से विह्वल राग पिपहरी
देखो फुदक रही गौरैया
नाच उठी घर की अंगनाई।
उठो सुबह की वेला आई!

बूझो तो जानें

1
जंगल का 'राजा' कहलाता,
बासी भोजन कभी न खाता।
सभी जानवर इससे डरते,
राजा की इज्जत हैं करते।।

2
मरुस्थल का जहाज कहलाए,
ढेरों काम बनाता।
बोझा ढोता, खेत जोतता,
यात्राएं करवाता।।

3
माता का दर्जा पाया है,
दूध मिले गुणकारी।
रंग सफेद और काला भी,
यह है पूज्य हमारी।।

- डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल

उत्तर: 1.शेर, 2.ऊंट, 3.गाय

जीके क्विज-178

1. हाल ही में इंडियन वूमेंस क्रिकेट टीम ने किस देश की टीम को हराकर आइसीसी वूमेंस वन-डे क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता?
2. विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कैप्टन का नाम क्या है?
3. आइसीसी की ताजा वन-डे रैंकिंग के अनुसार विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैट्समैन कौन बने हैं?
4. हाल ही में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री कौन बनी हैं?
5. सुप्रीम कोर्ट के 53वें मुख्य न्यायाधीश कौन होंगे?
6. भारत के वर्तमान केंद्रीय सहकारिता मंत्री कौन हैं?
7. निकट दृष्टि दोष में किस लेंस का इस्तेमाल किया जाता है?
8. पेड़-पौधे वायुमंडल से कौन-सी गैस अवशोषित करते हैं?
9. संसार का सबसे छोटा महाद्वीप कौन-सा है?
10. हाल में ही किस रॉकेट के द्वारा भारतीय वैज्ञानिकों ने सीएमएस 03 उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया?

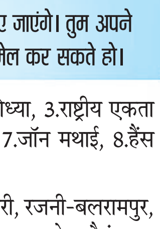

बच्चो, जीके क्विज-178 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-177 का उत्तर : 1. लियोनेल मेसी, 2.अयोध्या, 3.राष्ट्रीय एकता दिवस, 4. 24 अक्टूबर, 5.राजस्थान, 6.लैक्टोबैसिलस, 7.जॉन मथाई, 8.हैंस लेपर्शी, 9.कोलकाता, 10.मुंशी प्रेमचंद

जीके क्विज-177 का सही उत्तर देने वाले : रितेश-मटियारी, रजनी-बलरामपुर, कबीर-हिसार, पूनम-गुना, बलजीत-भिवानी, ज्योति-बैकुंठपुर, रमेश-बैकुंठपुर, आंचल-ईमेल से, अजय-रोहतक, अंकुश-बिलासपुर, कुसुम-बलौदा बाजार

कहानी

दिविक रमेश

होलू को एक दिन सड़क पर रोता हुआ एक बच्चा मिला। उसने जानना चाहा कि बच्चा रो क्यों रहा है? बच्चे से उसने एक नहीं कई सवाल किए। बच्चे के जवाबों से होलू का दिमाग और चकरा गया।

रोता बच्चा और होलू

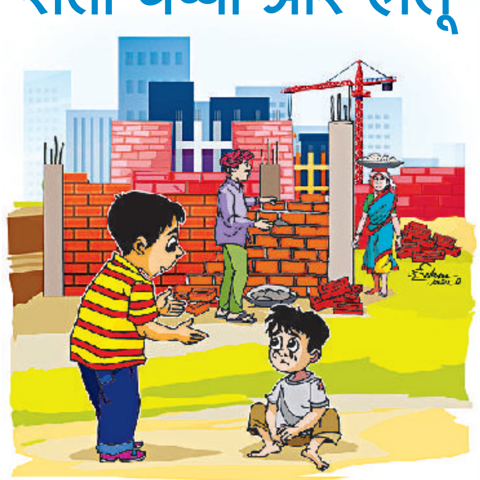

होलू ने देखा। सड़क किनारे एक बच्चा बैठा है। रो रहा है। पता नहीं क्यों? होलू को मां की बात याद आई। कोई परेशान हो तो उसकी मदद करनी चाहिए। होलू ने सोचा क्या करूं? उसे चिंता हुई। पूछ ही लिया, 'तुम कौन हो?'

बच्चे ने होलू की ओर देखा। रोना थोड़ा कम हुआ। सुबकते हुए बोला, 'बच्चा हूं।'

'वह तो मुझे मालूम है, पर तुम कर क्या रहे हो?' होलू ने थोड़ा परेशान होकर पूछा।

'रो रहा हूं।' बच्चे ने कहा। कह कर वह फिर रोने लगा।

होलू का तो माथा ही चकरा गया-कैसा बच्चा है? समझ ही नहीं आया कि आगे क्या पूछे। थोड़ी देर तक होलू को कुछ समझ में नहीं आया। तभी कुछ सूझा। उसने फिर पूछा, 'यह तो दिख रहा है, पर तुम रो क्यों रहे हो?' अब बच्चे की बारी थी, थोड़ा चौंकने की। उसने होलू की ओर देखा। ऐसे, जैसे होलू उसकी निगाह में बुद्धू हो।

उसका रोना रुक चुका था। मुंह बनाकर बोला, 'इतना भी नहीं मालूम, कोई क्यों रोता है? क्या तुम कभी नहीं रोए?'

'रोया तो हूं। अभी तो मुझे तुम्हें रोता देखकर रोना आ रहा है, पता नहीं क्यों?' होलू ने पूछा, 'तुम्हें पता है?' 'नहीं तो..।' बच्चे ने लगभग रोते-रोते ही जवाब दिया। थोड़ी देर दोनों एक-दूसरे को देखते रहे।

होलू ने याद करने की कोशिश की। यही कि पिछली बार वह कब रोया था और क्यों रोया था? होलू ने बच्चे को उसी की ओर देख रहा है। रोना छोड़कर सुबक रहा है। उसे यह भी लगा कि बच्चा कुछ ऐसे देख रहा है, जैसे वह जीत गया हो। विजेता हो। होलू को याद आया, बोला, 'मैं तो इसलिए रोया था, मां ने मेरी बात नहीं मानी थी। मुझे बहुत गुस्सा जो आया था।' बच्चा अब तक चुप था। बोला, 'मैं भी तो इसीलिए रो रहा हूं। उधर देखो, दीवार की ओर।' होलू ने देखा, वहां सामने नई दीवार चिनी जा रही है। एक राजमिस्त्री दीवार बना रहा था। पास ही एक महिला थी। वह कभी उसे ईंट पकड़ाती तो कभी मसाला देती थी। बच्चा तपाक से बोला, 'वही तो मेरी मां है।' 'अच्छा..?' होलू थोड़ा चौंकते हुए बोला।

बच्चे ने बताया, 'मैंने मां से कहा कि मैं भी काम करूंगा। पर मां ने डांट दिया। बोली-तू यहां बैठ, अभी तू छोटा है। बस इसीलिए रो रहा हूं। मुझे छोटा क्यों कहा मां ने?'

होलू कुछ सोच में पड़ गया। उसे मां की बात भी ठीक लग रही थी और बच्चे की भी। क्या कहे वह। पर उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि वह ऐसा क्यों सोच रहा है। कुछ देर तक जब होलू को कुछ नहीं सूझा तो उसने यही सोचा कि घर जाकर मां से पूछेगा। उसे बस यह जरूर अच्छा लगा कि अब बच्चा चुप था। बच्चा अपने पास रखी चीजों में खोता जा रहा था। होलू घर की ओर लौट चला था। *

कहानी

सरस्वती रमेश

पर्वत को अपने विशाल होने का बहुत घमंड था। वह पशु-पक्षियों को अपने से बहुत छोटा मानता था। गिलहरी, खरगोश और चिड़िया से उसने ऐसा बोल भी दिया। लेकिन एक दिन ऐसा कुछ हुआ कि पर्वत का घमंड चूर हो गया।

पर्वत का घमंड

बरगद के पेड़ पर गिल्लू गिलहरी रहती थी। गिलहरी दिनभर इधर-उधर कूदती रहती। खरगोश, चिड़िया जैसे उसके दोस्त थे, वह उनसे मिलती-जुलती रहती। कभी-कभी उछलते-कूदते तीनों पर्वत तक पहुंच जाते। इन्हें देख पर्वत अभिमान से भर उठता, सोचता, 'ये कितने छोटे हैं, मैं कितना बड़ा-विशाल। आसमान को छूता, बादलों से बातें करता, हवाओं के साथ खेलता। इन सब की तो मेरे आगे कोई हैसियत ही नहीं है।' एक दिन गिल्लू गिलहरी, पीकू खरगोश और मुनमुन चिड़िया के साथ पर्वत पर खूब धमा-चौकड़ी मचा रही थी। तीनों कभी पर्वत पर कूदते तो कभी उसके बदन पर फिसलते। यह देखकर पर्वत को क्रोध आ गया। वह गुस्से से गरजा, 'तुम लोग ये क्या कर रहे हो?' गुस्से में पर्वत का चेहरा लाल हो गया था। उसे देख गिल्लू और पीकू को हंसी आ गई। गिल्लू हंसते हुए बोली, 'हम लोग यहां खेल रहे हैं। तुम भी खेलोगे हमारे साथ?' 'नहीं, मैं छोटे लोगों के साथ नहीं खेलता।' पर्वत घमंड से बोला। 'हम छोटे हैं तो क्या हुआ?' गिल्लू आश्चर्य से बोली। 'छोटों का कोई मान-सम्मान नहीं होता। वे किसी काम के नहीं होते।' पर्वत अकड़ कर बोला। 'अच्छा, तुम बड़े हो, लो जरा यह मूंगफली फोड़कर दिखाओ।' गिल्लू बोली।

'मूंगफली जैसी छोटी चीज मैं नहीं फोड़ सकता।' पर्वत ने बहाना बनाया। 'हार गए न..! देखो मैं कितनी आसानी से फोड़ देती हूं।' गिल्लू ने मूंगफली अपने दांतों में दबाकर झट से फोड़ दी।

'मूंगफली नहीं फोड़ सकता तो क्या, मेरे ऊपर कितने ही पेड़-पौधे, पशु-पक्षी रहते हैं। मैं सबको संभाल कर खड़ा रहता हूं।' पर्वत अभी भी घमंड से चूर था। तभी अचानक जोर की आंधी आई। गिल्लू और पीकू भागकर अपने बिलों में छुप गए। चिड़िया एक पेड़ पर दुबक कर बैठ गई। आंधी के साथ बारिश भी शुरू हो गई। मूसलाधार बारिश और हवा के थपेड़ों से पर्वत तहस-नहस होने लगा। उस पर उगे कुछ पेड़-पौधे गिरने लगे। पर्वत की चट्टानें दरकने लगीं। बेचारा पर्वत बहुत देर बारिश की मार झेलता रहा। जब बारिश बंद हुई तो गिल्लू और पीकू बिल से बाहर निकल आए। पर्वत की दशा बहुत बुरी थी। वह मन ही मन

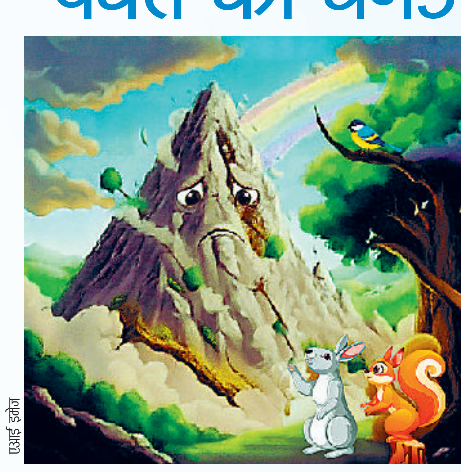

एआई इमेज

सोच रहा था, 'इस नन्ही गिलहरी, खरगोश और चिड़िया का तो कुछ भी न बिगड़ा और मैं इतना शक्तिशाली होने के बाद भी तहस-नहस हो गया, बिखर-सा गया।' तभी गिल्लू ने पर्वत से कहा, 'पर्वत भाई, देखा तुमने। इतने विशाल होने के बाद भी तुम बारिश से नहीं बच सके। अब तो समझ गए होगे कि बड़ा-विशाल होने से कुछ नहीं होता। छोटों का भी अपना एक महत्व है।' पर्वत का सिर लज्जा से झुका गया, बोला, 'तुम ठीक कह रही हो गिल्लू बहन। मैंने तुम लोगों को छोटा समझ, तुम्हारा अपमान किया। मुझे माफ कर दो।' 'माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं। तुम्हें अपनी गलती का अहसास हुआ यही काफी है। आज से हम दोस्त हैं।' गिल्लू बोली।

'बिल्कुल, अब तुम मेरे ऊपर खूब फुदकना। मैं बिल्कुल गुस्सा नहीं करूंगा।' पर्वत बोला।

उस दिन से पर्वत ने घमंड छोड़ दिया। गिल्लू गिलहरी, पीकू खरगोश और मुनमुन चिड़िया पर्वत पर मजे से खेलते-कूदते, पर्वत भी इनके साथ आनंद लेता। *

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पूसी बिल्ली के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये छह अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सभी छह अंतर खोजो।

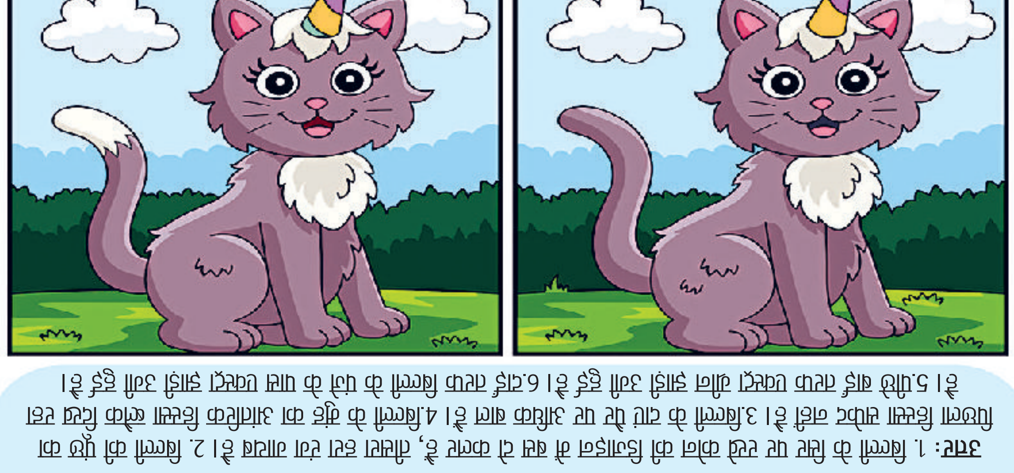

उत्तर: 1. बिल्ली के सिर पर रखे कोन की डिजाइन में बस दो कलर है, तीसरा हरा रंग गायब है। 2. बिल्ली की पूंछ का पिछला हिस्सा सफेद नहीं है। 3.बिल्ली के दाएं पैर पर अधिक बाल हैं। 4.बिल्ली के मुंह का आंतरिक हिस्सा ब्लैक दिख रहा है। 5.पीछे बाईं तरफ एक्स्ट्रा ग्रीन झाड़ी उगी हुई है। 6.दाईं तरफ बिल्ली के पंजे के पास एक्स्ट्रा झाड़ी उगी हुई है।

रास्ता खोजो

बच्चो, यहां दिए गए चित्र में बत्तख का एक नन्हा बच्चा उदास है, क्योंकि वह अपनी मां और भाई-बहन से बिछड़कर रास्ता भटक गया है। तुम सही रास्ता खोजकर इस नन्हे बत्तख को अपनी फैमिली तक पहुंचने में मदद तो करो जरा।

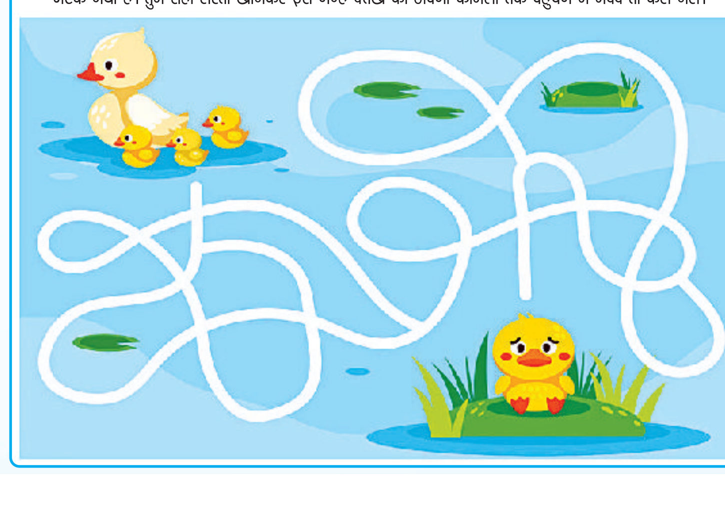

खबर संक्षेप

डॉ. सुजीत ने प्रस्तुत किया शोध पत्र

लोहारू। चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्रोफेसर डॉ. सुजीत कुमार ने आर्य समाज के गौरवशाली 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की वैदिक संगोष्ठी में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। डॉ. सुजीत ने यजुर्वेद में योग संदेश और दयानंद वेद भाष्य के संदर्भ में विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। सम्मेलन में भारत के साथ-साथ विश्व के 34 देशों के विद्वानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, गुजरात के राज्यपाल डॉ. आचार्य देवव्रत तथा योगगुरु बाबा रामदेव जैसे विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

हनुमान कौशिक के छोटे भाई राजेश का निधन

भिवानी। म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक के छोटे भाई राजेश कौशिक का अकस्मात निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव उमरावत में किया। उनके अंतिम संस्कार में म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन, किसान यूनियन, वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन, जीवन ज्योति फाउंडेशन, एक विचार-एक सोच मंच समेत अनेक सामाजिक संगठनों के सदस्यों, वरिष्ठ नागरिकों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं व बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिरकत की।

भाजपा ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को किया तहस-नहस : माकपा

भिवानी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव मंडल की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पार्टी जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में वोट चोरी के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के बारे में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा 25 लाख फर्जी वोट के खुलासे ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। चुनाव परिणामों के बाद माकपा ने कहा था कि ये जनादेश से बनी सरकार नहीं है, इस खुलासे ने एक बार फिर लोकतान्त्रिक चुनाव प्रणाली की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा कर दिया है। यह सवाल ठोस सबूतों के आधार पर सामने आया है। यह निंदनीय है कि इस संदर्भ में चुनाव आयोग के मुखिया का बयान मामले की जांच व सुधार करने की बजाय इसे दबाने का ही रहा है।

एचएसईबी वर्कर यूनियन ने मांगों पर की चर्चा

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा स्थित दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम कार्यालय के प्रांगण में एचएसईबी वर्कर यूनियन की बैठक आयोजित की, जिसमें बैठक की अध्यक्षता सब यूनिट के उपप्रधान मुकेश सैनी ने की तथा मंच संचालन सचिव राजेंद्र सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि बैठक में कर्मचारियों के विभिन्न मांगों को लेकर आयोजित की गई थी, जिसमें कर्मचारियों को लेकर अनेक मुद्दे शामिल थे। मुकेश सैनी ने बताया कि वे उपमंडल अभियंता राजेंद्र सिंह से मिले तथा अपनी मांगों के बारे में बताया। बैठक में अजय शर्मा, दिनेश सांगवान, अजय राणा, विनोद तालु, विजय, कुलदीप, निशु, नरेश गुर्जर, मेवा सिंह, रविकांत, बाबूलाल उपस्थित रहे।

आईटीआई में जिलास्तरीय युवा महोत्सव में हुईं विभिन्न प्रतियोगिताएं

युवा महोत्सव में विद्यार्थियों ने नृत्य व गीतों में दिखाई प्रतिभा

विधायक घनश्याम दास सर्राफ ने किया प्रतियोगिता का शुभारंभ, युवा वैज्ञानिक भी छाए

भिवानी। हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

विधायक घनश्याम दास सर्राफ ने कहा कि युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है। युवा महोत्सव जैसे आयोजन युवाओं के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। विधायक सर्राफ वीरवर को राजकीय आईटीआई संस्थान में आयोजित दो दिवसीय युवा महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ कर अपना संदेश दे रहे थे। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक सर्राफ ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर जिला युवा महोत्सव में मिला है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा के अंदर कोई न कोई विशेष प्रतिभा छिपी होती है, जिसे पहचानने और निखारने के लिए इस प्रकार के मंच अत्यंत आवश्यक हैं। इस जिला स्तरीय युवा महोत्सव में सात प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं वैज्ञानिक गतिविधियां शामिल हैं। युवा महोत्सव में राजीव गांधी महिला महाविद्यालय भिवानी में समूह लोकनृत्य, समूह लोकगीत, लोक संगीत (वाद्य यंत्र समूह एवं एकल) जैसी सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की। इन कार्यक्रमों में युवाओं ने हरियाणवी, राजस्थानी तथा अन्य पारंपरिक लोक संस्कृतियों की प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान मेहमानों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

राजकीय आईटीआई में विज्ञान मेला

वहीं राजकीय आईटीआई भिवानी परिसर में कहानी लेखन, कविता लेखन, चित्रकला, वक्तृत्व एवं विज्ञान मेला जैसी प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं, जिनमें विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मकता, तर्कशक्ति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में कुल 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों से आए थे। राजकीय आईटीआई भिवानी के प्रधानाचार्य बलबीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को विजेताओं को सम्मानित करने के साथ किया जाएगा। महोत्सव के विजेताओं को आगामी वर्ष जनवरी में पंचकूला में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय महोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

उपायुक्त ने दो दिवसीय जिलास्तरीय युवा महोत्सव का किया शुभारंभ

चरखी दादरी। युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग द्वारा दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव का शुभारंभ जनता महाविद्यालय के सभागार में किया। मुख्यतिथि के रूप में कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वशिष्ठ अतिथि के तौर पर नगर परिषद चेयरमैन बक्सीराम सैनी ने शिरकत की। उपायुक्त डॉ. नागपाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि ये हमारे युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और संकल्प का उत्सव है। दो दिवसीय महोत्सव में पहले दिन समूह नृत्य के लिए जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 8 टीमों के लगभग 55 प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी, लोक संगीत वाद्य यंत्र के समूह और सोलो के लगभग 20 छात्रों ने अपनी प्रस्तुति दी। इसके अलावा कविता लेखन पेंटिंग, और स्टोरी राइटिंग के लगभग 140 छात्रों ने अपनी प्रस्तुति दी। विज्ञान मेला में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से समूह प्रतियोगिता में 13 टीमों के लगभग 45 व एकल विज्ञान प्रतियोगिता के लिए 6 टीमों ने अपने अपने प्रोजेक्ट को प्रदर्शित किया। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह, महाविद्यालय प्राचार्य यशवीर, अजय खोखर, राजेन्द्र दहिया और स्टेज संचालक सतीश साहू सहित इत्यादि उपस्थित थे।

चरखी दादरी। विद्यार्थियों द्वारा तैयार मॉडल का अवलोकन करते उपायुक्त।

खबर संक्षेप

गुरु नानकदेव के प्रकाश पर्व पर जल वितरण

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में गुरू नानकदेव के प्रकाश पर्व पर भाजपा सरकार द्वारा नगर पालिका मनोनित पार्षद श्रीभगवान नाहड़यि, औमपाल नाहडिया सहित परिजनों ने मिलकर समस्त साध संगत के लिए जलपान की व्यवस्था की। बता दें कि नाहड़यि द्वारा समय समय पर सामाजिक व धार्मिक कार्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जाती है। मनोनित पार्षद श्रीभगवान नाहड़यि ने बताया कि हम सभी को गुरूजनों के सिखाए रास्तों पर चलना चाहिए और अपनी पीढ़ी को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

शौर्य व दुआ ने जीता गोल्ड मेडल

भिवानी। भिवानी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने 18वीं जूनियर हरियाणा स्टेट सेपक टकरा चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप 4 और 5 नवंबर को सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल फतेहाबाद में हुई। प्रतियोगिता का आयोजन सेपक टकरा व एसोसिएशन फतेहाबाद ने किया। चैंपियनशिप में शौर्य चौहान और दुआ चौहान ने बेहतरीन प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया है। वहीं पुनीत ने भी कांस्य पदक जीतकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया है। विद्यालय की निर्देशिका आशा पाहुजा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि से न केवल विद्यालय का नाम राज्य स्तर पर उज्ज्वल हुआ है, बल्कि ये हमारे लिए गर्व का विषय भी है। हमें उम्मीद है कि वह भविष्य में भी इसी तरह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते रहेंगे। सचिव पुलकित पाहुजा ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहें। इस अवसर पर प्रधानाचार्य आर के चांदना, हेड मिस्ट्रेस पूनम गर्ग उपस्थित रहे।

किसानों का जत्था महापंचायत के लिए रवाना

भिवानी। रोजका मेव गांव के किसानों को जमीन अधिग्रहण मामले में न्यायोचित मुआवजा दिलाने के लिए नूंह जिले में होने वाली संयुक्त किसान मोर्चा महापंचायत में शामिल होने के लिए अखिल भारतीय किसान सभा से दो दर्जन से अधिक किसानों का जत्था प्रातःकाल रवाना हुआ। जत्थे का नेतृत्व किसान सभा भिवानी ब्लॉक प्रधान सन्तोष देशवाल व बवानीखेड़ा ब्लॉक प्रधान राजेश कुंगड़ कर रहे थे। जत्थे को रवाना करते हुए किसान सभा के जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि रोजका मेव जिला नूंह में 2010 में आईएमटी के लिए राज्य सरकार ने कई गांव की कृषि भूमि का अभिग्रहण किया था। इसके लिए एक बार 21 लाख रुपये प्रति एकड़ तथा बाद में 25 लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा स्वीकार किया था। बाद में साथ लगती कृषि भूमि का सवा करोड़ रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया, जबकि स्वयं सरकार व कम्पनी आज उसी जमीन का करोड़ों रुपये प्राप्त कर रही हैं, लेकिन पीड़ित किसानों को न्यायोचित मुआवजा नहीं दे रही है, पिछले दो वर्षों से किसान आन्दोलनरत हैं, किसी हल्फनामें में अनपढ़ किसानों के अंगूठे लगवाकर उनका कोर्ट अधिकार भी छीन लिया है, अब किसानों के पास गुजारे लायक कोई जमीन नहीं बची है, वे दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर हैं।

न्यूरोथैरेपी कैंप शुरू, विधायक ने करवाई जांच

भिवानी। हालू बाजार स्थित श्रीअग्रसेन भवन में श्रीअग्रवाल सभा भिवानी द्वारा 6 से 13 नवंबर तक न्युरोथैरेपि कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप का शुभारंभ मुख्यतिथि विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने किया। कैंप के दौरान विधायक ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई तथा न्युरोथैरेपि की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उपप्रधान व्यापारी शिवशंकर कसेरा, उपप्रधान प्रकाश मित्तल, मनीष कुमार, एडवोकेट रामअवतार गुप्ता, एडवोकेट आशीष मित्तल, सुरेश कागजी, रामु जेवड़ीवाला आदि उपस्थित रहे। विधायक ने बताया कि आज के समय में अनेक प्रकार की जानलेवा बीमारियां पैढ़ा हो रही हैं। उनसे बचने के लिए हमें समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच करवानी चाहिए। न्युरोथैरेपि कैंप जैसे आयोजनों से जरूरतमंद व्यक्ति को स्वास्थ्य लाभ मिलता है इससे बड़ी कोई समाज सेवा नहीं है।

शिक्षा से वंचित बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ा

भिवानी। दादरी गेट व बावड़ी गेट स्थित बच्चों को शिक्षित करने के लिए राजकीय प्राथमिक पाठशाला में सर्व शिक्षा अभियान के स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर से शिक्षा से वंचित बच्चों को छह महीने का ब्रिज कोर्स करवाकर शैक्षिक अधिगम गतिविधियों में सम्मलित किया। इसके अंतर्गत सभी बच्चों को अभ्यास पुस्तिका व पाठ्य सामग्री वितरित की। स्कूल के मुख्याध्यापक जंगबीर कासनियां ने बताया कि स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर के इंचार्ज विपिन कुमार द्वारा अथक प्रयास किए, जिससे क्षेत्र में रह रहे बच्चों की विशेष रूप से तलाश की। बैठक में

नगराधीश ने समाधान शिविर में सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

नगराधीश अनिल कुमार ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पेयजल की लीकेज लाईनों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता से समाधान करें। लीकेज को दुरूस्त करने के बाद संबंधित शिकायत कर्ता व आसपास क्षेत्र के व्यक्तियों को विभाग द्वारा किए कार्यों के बारे में अवगत करवाएं, ताकि विभाग की कार्य प्रणाली के बारे में आमजन को पता चल सके। शहरी स्थानीय निकाय के सीवरेज या बरसाती पानी की निकासी के नालों की वजह से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति में कोई दिक्कत है तो संबंधित विभाग को उसी समय सूचित करके मौके पर बुलाएं। नगराधीश अनिल कुमार वीरवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुन रहे थे। उन्होंने क्रीड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवार पहचान पत्र में आय से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए निर्धारित समय में वेरिफिकेशन करें।

भिवानी। जनसमस्याएं सुनते नगराधीश अनिल कुमार।

शिकायतों का शीघ्र निपटारा करें

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल के मार्गदर्शन में सीटीएम प्रीति रावत ने समाधान शिविर में नागरिकों की बिजली,पानी, पीपीपी, पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें सुनने के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नागरिकों की शिकायतों का यथाशीघ्र निपटारा करें। उन्होंने समाधान शिविरों की लंबित एवं रि-ओपन हुई शिकायतों की समीक्षा कर अधिकारियों को उक्त शिकायतों का जल्द समाधान सुनिश्चित करने की बात कही।

बेरला के बाजार में सोलर लाइटें लगवाने की मांग

बाढ़ड़ा। गांव बेरला के ग्रामीणों ने विधायक उमेद पातुवास से मिलकर बाजार की फोरलेन सड़क के बीच में डिवाइडरों पर सोलर लाइट व टाइल लगवाने की मांग की है। विधायक पातुवास ने ग्रामीणों से शीघ्र कार्य करवाने का आश्वासन दिया है। गांव बेरला निवासी प्रवीण योगी, कुलदीप, महेश सतीश, भूपेंद्र, जीतेंद्र, संदीप आदि ने कहा कि बेरला गांव के बाजार में भाजपा सरकार द्वारा फोरलेन बना दिया तथा पानी निकासी के नाले बना दिए, लेकिन फोरलेन के बीच में डिवाइडर पर सोलर लाइटें नहीं लगाई, जिसकारण सांय होते ही सड़कों पर अंधेरा छा जाता है। उन्होंने कहा कि डिवाइडर पर सोलर लाइटें लगवाई जाए तथा इंटरलॉक टाइलें लगवाई जाए। इसके अलावा गंदे पानी निकासी के नालों पर ढक्कन लगवाए जाऐं ताकि दुकानदारों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े। नालों व सड़क के बीच टाईलें लगवाई जाऐं। ग्रामीणों ने मांग की कि गांव में रात होते ही अंधेरा छा जाता है, जिससे लोगों में चोरी जैसी घटना होने का भय बना रहता है। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक नैना चौटाला से भी कई बार मिले, लेकिन अभी मे कोई समाधान नहीं हा रहा है। विधायक उमेद से ग्रामीण मिल चुके, लेकिन कोई कार्यवाई नहीं हुआ। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द ही गाव के फोरलेन पर सोलर लाइटें लगाई जाए, ताकि सर्दी के मौसम में चोरी व हादसों से बचा जा सकें।

सुनील महता की याद में 32 यूनिट रक्तदान

- जय दुर्गा सेवा समिति ने शिविर का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा में दिवंगत सुनील महता की पुण्य स्मृति में जय दुर्गा सेवा समिति ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम में विशेष रूप में डेरा बाबा रामरूप के महंत गुमानदास महाराज के सानिध्य में रक्तदान शिविर लगाया, जिसकी अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री ने की। ब्लड बैंक भिवानी की तरफ से डॉक्टरों की टीम में डॉ राहुल, नर्सिंग ऑफिसर सुभाष कुमारी, सुमन कुमारी, कृष्णा देवी ने अपनी मेडिकल टीम के साथ सेवा प्रदान की। शिविर में 32 यूनिट रक्तदान किया। अत्री ने बताया कि समय समय पर ऐसे आयोजन किए जाने चाहिए जिसमें युवाओं को प्रेरणा मिलती है कि वो अपने जीवन में कुछ सामाजिक योगदान दे सके। सामाजिक संगठनों को भी रक्तदान शिविर करते रहने चाहिए। विशिष्ट अतिथियों में जगन्नाथ महता, प्रदीप राणा, विकास महता, मनीष शंकर, पंकज महता, संजय मिल्खा, जोगेन्द्र आदि ने अपनी अहम भूमिका अदा की। समिति की वरिष्ठ सदस्य नन्द लाल महता, बोधराज, संजय महता, विशन दास महता सहित अनेक मौजूद रहे।

सतलोक आश्रम में 150 यूनिट रक्त एकत्रित, 3 दिन अखंड भंडारा चला

- सतलोक आश्रम में हुआ तीन दिवसीय समागम अखंड पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

बंदी छोड़ सतगुरु रामपाल महाराज के आशीर्वाद से 4 से 6 नवंबर तक दिव्य धर्म यज्ञ दिवस पर्व सतलोक आश्रम सहित राष्ट्र के अन्य 10 आश्रमों तथा नेपाल में मनाया गया। इस अवसर पर गांव कालुवास गुजरानी फाटक स्थित सतलोक आश्रम में परमसंत गरीबदास महाराज द्वारा रचित सदग्रंथ साहेब का तीन दिवसीय अखंड पाठ हुआ तथा तीन दिन का अखंड भंडारा चला। इस समागम में बिना दहेज की शादी (रमैणी) हुई तथा लगभग 150 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम के तीसरे दिन काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद चखा। आश्रम की प्रबंधन की सेवादार बहन अंजू दासी, जगवीर दास, धर्मपाल, वजीरदास व बलवान दास ने बताया कि कार्यक्रम में भिवानी जिले के सभी कॉर्डिनेटर भगत नानकदास, नरेन्द्रदास, धर्मबीर दास डाबला, दयाचंद दास व रामकिशन दास ने पूरा सहयोग दिया।

भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते भक्तजन।

बवानीखेड़ा नपा चेयरमैन अत्री ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

ढाणीवासियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी, जल्द बनेगा अंडरपास

सीएम सैनी के साथ सुंदर अत्री।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा ढाणी क्षेत्र के अंडरपास की वर्षों से लंबित पड़ी मांग अब पूरी होने जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष सुन्दर अत्री के प्रयासों से यह सपना अब हकीकत बनने जा रहा है। बवानीखेड़ा के वार्ड नं. 13, 14, 15, 16 के निवासी लंबे समय से रेलवे फाटक नम्बर 65 के बंद होने की समस्या से जूझ रहे थे। फाटक के बंद रहने के कारण ढाणी वासियों को शहर पहुंचने के लिए दो से तीन किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता था, जिससे बच्चों, बुजुर्गों व रोगियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती थी। उल्लेखनीय हैं कि लंबे समय से क्षेत्रवासी समस्या से जूझ रहे थे, अब अंडरपास बनने से समस्या स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगी। हालांकि मांग को लेकर तत्कालीन सांसद भजनलाल, कुलदीप बिश्नोई, दुष्यंत चैटाला, बृजेन्द्र सिंह को भी मांगपत्र सौंपे गए थे, लेकिन समाधान नहीं हो पाया था। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल के निजी सचिव नवीन कौशिक के माध्यम से केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और वर्तमान हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से कई बार मुलाकात की और समस्या से अवगत करवाया। वहीं अंडरपास के निर्माण में नवीन कौशिक व बवानीखेड़ा विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि का भरपूर सहयोग मिला। अब अंडरपास निर्माण के लिए रेलवे ने टेंडर जारी कर दिया है।

बवानीखेड़ा ढाणी क्षेत्र की वह जगह, जहां अंडरपास का निर्माण होगा।

रेलवे पार की आबादी को मिलेगा लाभ

नपा चेयरमैन अत्री ने बताया कि अंडरपास बनने से न केवल ढाणी क्षेत्र के लोगों को शहर तक सुगम व सुरक्षित मार्ग मिलेगा, बल्कि व्यापारियों व विद्यार्थियों को भी बड़ी राहत मिलेगी। यातायात व्यवस्था सुधरने से एम्बुलेंस व अन्य आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही भी अब निर्बाध रूप से हो सकेगी। क्षेत्रवासियों ने निर्णय पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि ये परियोजना क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

पंचायत भवन में वंदे मातरम कार्यक्रम आज

भिवानी। वीरवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में एडीसी दीपक बाबूलाल करवा की अध्यक्षता में जिले में वंदे मातरम कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में एडीसी करवा ने बताया कि पंचायत भवन में सात नवंबर को सुबह साढ़े नौ बजे जिला स्तरीय वंदे मातरम् कार्यक्रम आयोजित होगा, इसके अलावा तोशाम, लोहारू और सिवानी सबडिवीजन के साथ-साथ ब्लॉक स्तर पर भी कार्यक्रम होंगे, जिसमें सुबह 10 बजे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन भी होगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में वंदे मातरम् पर आधारित एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में देशभर में एक वर्ष 7 नवंबर 2026 तक यह कार्यक्रम चलेंगे।

स्वदेशी अपनाने का दिया संदेश

बवानीखेड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "वोकल फॉर लोकल" के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी की ओर से "हर घर स्वदेशी अभियान" के तहत बवानी खेड़ा में विशेष जागरुकता रैली निकाली गई।

सूचना

मैं, संतू उर्फ संतलाल पुत्र श्री किशोरी निवासी ग्राम बसई तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ बयान करता हूं कि मेरा पुत्र दिनेश कुमार व पुत्रवधु नवनीत मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

G.L.WOMEN DEGREE COLLEGE
(KAKRALA ROAD, KANINA, (MAHENDERGARH)
(Affiliated to Indira Gandhi University Meerpur, (Rewari)
Email: glwdckanina@gmail.com, Website: glwomencollegekanina.com

Application are invited for the following post:

Principal-01, Assistant Professor: Physics-01, English-01, Hindi-01, Botany-01, Chemistry-02, Mathematics-02, Geography-01, History-01, Political Science-01, Zoology-01, Commerce-03, Librarian-01, Clerk-01, Lab Assistant-05, Peon-01, Mali-01, Chokidar-01.

The application form is available in the college office as well as on the college website one copy of application form complete in all respect along with testimonials should submit in the college and another copy of the application should Dean of College Development Council IGU Meerpur, Rewari, (along with DD of **Rs.1000/-** in favor of **Registrar, IGU, Meerpur, Rewari.**) within **21days** of publication of this advertisement. Only those applications shall be considered for interview that reaches with in stipulated time on both place (College and IGU) by registered post or by hand.
Eligibility: Qualification and salary as per norms and regulations of the State Govt./UGC/IGU Rewari.

Chairman
G.L.Women Degree College, Kanina

खबर संक्षेप

2100 की पहली किस्त पाकर खिल चेहरेः सरपंच

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव सलीमपुर की सरपंच आरती यादव ने बताया कि 2100 रुपये की पहली किस्त पाकर महिलाओं के चेहरे खिल उठे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2100 रुपये की पहली किस्त मिली है। इस राशि से उनके गांव में महिलाएं अपने छोटे-छोटे सपने पूरे करने और आत्मनिर्भर बनने की उम्मीद कर रही हैं। कुछ इसे अपनी जरूरतों पर खर्च करेंगी तो कुछ परिवार के लिए खुशियां खरीदेंगी। सरपंच आरती यादव ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार व्यक्त किया।

सरपंच आरती यादव।

विद्यार्थियों को दी कानून संबंधित जानकारी

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय कृष्णनगर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मानसिक रोग और बौद्धिक अक्षमताओं से पीड़ित व्यक्तियों के अधिकारों और सरकारी कल्याण योजनाओं के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. सुमन यादव ने की। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता धर्मेश कुमार जोशी ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कानूनी सहायता, सरकारी योजनाओं और समाज में ऐसे व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की।

रेलवे स्टेशन पर लगे कैंप में बनाए लाइफ सर्टिफिकेट

महेंद्रगढ़। शहर के रेलवे स्टेशन पर उत्तर पश्चिमी रेलवे बीकानेर डिवीजन की तरफ से सेवानिवृत्ति रेलवे कर्मचारियों के डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाए गए। जोनल अध्यक्ष सेवानिवृत्त केके सक्सेना, ब्रांच सेक्रेटरी जेपी यादव, लोहारू ब्रांच अध्यक्ष हरिकिशन शेखावत व कोषाध्यक्ष व प्रजापति प्रधान इंद्रसिंह की उपस्थिति में सभा का आयोजन किया गया व डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कैंप लगाया गया। जिसमें करीब 15 सेवानिवृत्ति रेलवे कर्मियों को मौके पर ही सर्टिफिकेट बनाए गए। 13 नवंबर को डीआरएम ऑफिस बीकानेर की ओर से एक कैंप का आयोजन लोहारू स्टेशन पर किया जाएगा।

स्व. धर्मादेवी की पुण्यतिथि पर पुस्तक का लोकार्पण

महेंद्रगढ़। महेंद्रगढ़। नफेसिंह योगी मालड़ा ने अपनी परंपरा को निरंतर बरकरार रखते हुए एक बार फिर स्वर्गीय दादी मां धर्मा देवी की पुण्यतिथि वीरवार को हिन्दी साहित्य की पद विद्या में रचित पुस्तक ज्ल्दी घर तुम आना बेटा को अपने साहित्यिक गुरु डॉ. मनोज भारत के मार्गदर्शन में अपने परिवार के साथ लोकार्पण किया। नफेसिंह योगी इसी प्रकार से अपनी दादी मां की पुण्यतिथि पर अपने सम्पूर्ण परिवार के साथ हर साल पुस्तकों का लोकार्पण करते है।

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की अनूठी पहल : 'हैलो छोड़ो, वंदे मातरम बोलो' अभियान का शुभारम्भ

ट्रस्ट पदाधिकारी रेंडम रूप में 50 लोगों को करेंगे फोन, जो हैलो के स्थान पर बंदे मातरम बोलकर उत्तर देंगे, उन्हें ट्रस्ट देगा सम्मान पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने देशभक्ति की भावना को सशक्त करने के लिए एक अनूठा अभियान 'हैलो छोड़ो, वंदे मातरम बोलो' आरंभ किया गया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ संजय शर्मा की माने तो इस अभियान का उद्देश्य लोगों को दैनिक जीवन में देशभक्ति के प्रतीक राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। ट्रस्ट ने जनजागरूकता के माध्यम से यह संदेश देने का संकल्प लिया है कि फोन पर बातचीत की शुरुआत विदेशी शब्द "हैलो" के बजाय भारतीय अभिवादन "वंदे मातरम" से की जाए। कार्यक्रम के संयोजन का दायित्व ट्रस्टी नरोत्तम सोनी एवम दिनेश कुमार प्राचार्य को दिया गया है जबकि सह संयोजक ओशीन शुक्ला व प्रेमलता सैनी रहेंगे।

- जनजागरूकता के माध्यम से संदेश देने का संकल्प लिया

अब पदाधिकारी यादृच्छिक (रेंडम) रूप से लोगों को करेंगे फोन

ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने आगे बताया कि इस अभियान के तहत ट्रस्ट के पदाधिकारी यादृच्छिक (रेंडम) रूप से 50 लोगों को फोन करेंगे। जो व्यक्ति फोन पर "हैलो" के स्थान पर "वंदे मातरम" बोलकर उत्तर देंगे, उन्हें ट्रस्ट की ओर से सम्मान पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पहल भारतीय संस्कृति, सम्मान और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का प्रयास है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 'वंदे मातरम' ने जिस तरह लोगों के हृदय में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्ज्वलित की थी, उसी भावना को आज पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। ट्रस्टी डॉ जितेन्द्र भारद्वाज एवं राकेश शर्मा ने बताया कि ट्रस्ट आने वाले समय में विद्यालयों, संस्थानों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी 'वंदे मातरम' के नियमित गायन को प्रोत्साहित करेगा, ताकि नई पीढ़ी भारतीयता और देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत हो सके।

संजय शर्मा।

क्या है वंदे मातरम का इतिहास

ट्रस्टी भीमसेन शर्मा व अजय कुमार ने बताया कि ट्रस्ट का उदेश्य राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़े इस गीत को जन जन की जुबान पर लाना है। 'वंदे मातरम' भारत का राष्ट्रीय गीत है, जो केवल एक रचना नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा बन चुका था। इसका अर्थ है—"मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं" या "मां, मैं तेरी वंदना करता हूं"। यह मातृभूमि भारत को देवी के रूप में प्रणाम करने की भावना का प्रतीक है।' वंदे मातरम' की रचना बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1870 के दशक में की थी। इसे पहली बार उनके 'आनंदमठ' उपन्यास में सन 1882 में प्रकाशित हुआ। इस गीत में भारत माता को दुर्गा के रूप में चित्रित किया गया है—जो समृद्धि, शक्ति और करुणा की प्रतीक हैं। 'वंदे मातरम' ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशभक्तों का प्रेरणास्रोत बनकर क्रांति की लहर पैदा की। ब्रिटिश शासन के दौरान इसे गाने पर कई जगह प्रतिबंध भी लगाया गया, क्योंकि यह जनता को एकजुट करता था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को "वंदे मातरम" को राष्ट्रीय गीत का दर्जा प्रदान किया। यह केवल शब्द नहीं, बल्कि उस भावना का प्रतीक है जिसने लाखों भारतीयों को बलिदान, साहस और स्वतंत्रता की राह पर अग्रसर किया। यह आज भी भारतीय अस्मिता, एकता और देशभक्ति का अमर प्रतीक है। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट वंदे मातरम के 150 साल के इतिहास को भव्य तरीके से मनाने को प्रयासरत है।

शुद्ध पेयजल व सुदृढ़ सीवर व्यवस्था के लिए विभाग प्रतिबद्धः जितेन्द्र

पेयजल व सीवरेज कनेक्शन के लिए अब दो विकल्प

पहला विकल्प : उपभोक्ता जल कनेक्शन के 1000 और सीवरेज कनेक्शन के 500 रुपये अग्रिम जमा कर प्रचलित टैरिफ दरों के अनुसार जल शुल्क का भुगतान करें

- दूसरा विकल्प : उपभोक्ता 15 वर्ष की अवधि के लिए जल व सीवर कनेक्शन शुल्क के बदले 10 रुपये प्रति माह अतिरिक्त भुगतान करने की दे सकते है सहमति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जल जीवन मिशन व अमृत 2.0 के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल प्रबंधन और पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग अपने इंजीनियरिंग स्टाफ तथा डब्ल्यूएसएसओ (जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन) स्टाफ के सहयोग से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल व सुदृढ़ सीवर व्यवस्था मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जानकारी देते हुए नोडल कार्यकारी अभियंता जितेन्द्र हुड्डा ने बताया कि विभाग का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक उपभोक्ता को नल के माध्यम से निरंतर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। इसके लिए इंजीनियरिंग स्टाफ व आरएमई टीम के सदस्य लगातार कार्यरत हैं। किसी भी स्थान पर पेयजल पाइपलाइन में टूट-फूट या लीकेज संबंधी सूचना प्राप्त होते ही विभाग संबंधित जेई के माध्यम से तुरंत उसे दुरुस्त करवा रहा है। वहीं पेयजल की बर्बादी को रोकने एवं उपभोक्ताओं को पेयजल प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के लिए जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की टीम गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को जागरूक करने और पेयजल गुणवत्ता जांच संबंधी प्रशिक्षण देने का कार्य भी कर रही है। इस कार्य के लिए प्रत्येक माह खंडवार एक्शन प्लान तैयार कर गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है। पेयजल व सीवरेज संबंधी किसी भी समस्या के समाधान हेतु विभाग ने टोल फ्री नंबर 1800-180-5678 जारी किया है। इसके अतिरिक्त डिवीजन कार्यालय नारनौल में शिकायत दर्ज करवाने हेतु दूरभाष नंबर 01282-252601 तथा मुख्यालय की ओर से व्हाट्सएप नंबर 90417-41800 भी जारी किया गया है, जिन पर उपभोक्ता अपनी समस्या दर्ज करवा सकते हैं।

- विभाग का टोल फ्री नंबर 1800-180-5678 जारी

नारनौल। जितेंद्र हुड्डा।

शहर के उपभोक्ताओं को पेयजल कनेक्शन

हरियाणा सरकार द्वारा 25 सितंबर 2025 को जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार अब नगरपालिका क्षेत्रों के उपभोक्ताओं तथा नगरपालिका में शामिल गांवों के नागरिकों को जल एवं सीवर कनेक्शन के लिए दो विकल्प प्रदान किए गए हैं। पहला विकल्प उपभोक्ता जल कनेक्शन के 1000 रुपये और सीवर कनेक्शन के 500 रुपये अग्रिम जमा कर प्रचलित टैरिफ दरों के अनुसार जल शुल्क का भुगतान कर सकते हैं। दूसरा विकल्प उपभोक्ता 15 वर्ष की अवधि के लिए जल एवं सीवर कनेक्शन शुल्क के बदले 10 रुपये प्रति माह अतिरिक्त भुगतान करने की सहमति दे सकते हैं। यदि विभाग द्वारा जल मीटर लगाया जाता है, तो छह वर्ष की अवधि के लिए जल मीटर की लागत के बदले 25 रुपये प्रति माह भुगतान किया जा सकता है। जिन उपभोक्ताओं के पास पहले से जल मीटर मौजूद है, उनसे यह अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस अधिसूचना के तहत नए कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं को अधिसूचना जारी होने की तिथि से पांच वर्ष तक रोड कट शुल्क से छूट दी जाएगी। हालांकि यदि उपभोक्ता अपने जल कनेक्शन पर घरेलू जल मीटर नहीं लगवाता, तो उसे रोड कट शुल्क वहन करना होगा। सरकार की यह पहल उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

नवंबर माह की गतिविधियों का प्लान जारी

जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि ग्राम पंचायतों में पेयजल प्रबंधन एवं पेयजल की बर्बादी रोकने के उद्देश्य से जल जागरूकता कार्यक्रम का खंडवार एक्शन प्लान तैयार कर जारी कर दिया गया है। नवंबर माह में प्रत्येक खंड की चार ग्राम पंचायतों में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की बैठकें आयोजित कर पेयजल प्रबंधन संबंधी चर्चा की जाएगी तथा ग्रामीणों के सहयोग से ग्राम पंचायतों में इस योजना को लागू किया जाएगा। साथ ही, स्वच्छता निगरानी हेतु पेयजल स्रोतों पर विजिट कर प्रत्येक खंड की पांच ग्राम पंचायतों में सर्वेक्षण किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक खंड के चार सरकारी विद्यालयों, पांच आंगनवाड़ी केंद्रों, चार जल चौपालों व जन संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से जल जागरूकता अभियान को ओर तेज गति से चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक है ताकि स्वच्छ, सुजल और स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सके।

डीसी सुनी शिकायतें व निदान के दिए निर्देश

महेंद्रगढ़। शिविर में समस्याएं सुनते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। फोटोः हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

डीसी कैप्टन मनोज कुमार की अध्यक्षता में वीरवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद रही। समाधान शिविर में शिकायतें सुनने के दौरान डीसी ने आमजन से कहा कि समाधान शिविर शिकायतों के निदान का केंद्र बन रहे हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों में लोग अपनी शिकायतों के निवारण के लिए पहुंच सकते हैं।

डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि समाधान शिविर जन सुनवाई का सशक्त माध्यम है। इन शिविरों में सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहकर आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता से निवारण करवा रहे हैं। इन शिविरों में आने वाली शिकायतों के समाधान की मुख्यमंत्री स्वयं मॉनिटरिग करते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय से उच्चाधिकारियों की ओर से भी हर सप्ताह वर्चुअल माध्यम से बैठक कर समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों के निवारण संबंधित समीक्षा की जाती है, इसलिए आमजन को इन समाधान शिविरों का लाभ उठाना चाहिए।

समाधान शिविर में कुल 52 समस्याएं रखी गई। डीसी ने समाधान शिविर में आई परिवार पहचान पत्र, पेंशन, गली निर्माण, अवैध कब्जे, बिजली निगम, सड़क निर्माण संबंधित शिकायतों को विभाग के अधिकारी को तय समय में समाधान करवाकर समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में एसडीएम कनिका गोयल सहित विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

- समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश

जिले में आज एकसाथ गूंजेगा 'वंदे मातरम'

- राष्ट्रीय गीत के इतिहास पर लगेगी प्रदर्शनी, राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर जिलास्तरीय समूहगान सभागार नारनौल में
- पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन सुनेंगे नागरिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

देशभर में सात नवंबर शुक्रवार की सुबह 10 बजे मां भारती को समर्पित देश भक्ति एवं आध्यात्मिकता के भाव से भरा गीत वंदे मातरम की गूंज सुनाई देगी। इसी कड़ी में जिला के नागरिक एक साथ वंदे मातरम का गायन करेंगे। वन्दे मातरम् के स्मरणोत्सव के तहत जिला स्तर का कार्यक्रम लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार में होगा।

जानकारी देते हुए उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए सभी प्रकार की तैयारी पूरी कर ली गई है। यह कार्यक्रम पूरे गरिमामय तरीके से आयोजित करवाए जाएंगे। सभी निजी तथा सरकारी स्कूल, कॉलेज तथा विश्वविद्यालयों में भी इसी प्रकार कार्यक्रम होंगे। उन्होंने बताया कि भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में उपमंडल और ब्लॉक स्तर पर भी इसी प्रकार समूहगान होगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान देश के प्रधानमंत्री का संबोधन भी बड़ी एलइडी के जरिए सुना जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान सूचना, जनसंपर्क, भाषा तथा कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के इतिहास को लेकर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा मंच से भी इस जीत के बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंत में हरियाणा राज्य का गीत बजेगा। इस संबंध में एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने सभागार में तैयारियों का जायजा लिया।

विद्या भारती स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में किया सराहनीय प्रदर्शन

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के विद्यार्थियों ने आरपीएस जखराना में आयोजित अंतर विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में छात्र यक्ष ने 100 मीटर रेस व लंबी कूद में प्रथम स्थान, गौरव ने 100 मीटर रेस व लंबी कूद में प्रथम स्थान, आंचल ने 100 मीटर रेस में प्रथम तथा तनीषा ने ऊंची कूद प्रतियोगिता में प्रथम, आर्यन ने 100 मीटर रेस व लंबी कूद प्रतियोगिता में प्रथम, रोहित ने 100 मीटर रेस में प्रथम तथा साक्षी ने 100 मीटर रेस व लंबी कूद में प्रथम स्थान हासिल किया है।

इसके अतिरिक्त विद्यालय की टीम ने कबड्डी (कक्षा छठीं से नौवीं) छात्राओं ने तथा कबड्डी (छठीं से आठवीं) छात्रों ने स्वर्ण पदक हासिल किया। इसी तरह खो-खो (कक्षा छठीं से बारहवीं) में छात्राओं ने तथा खो-खो (कक्षा नौवीं से बारहवीं) में छात्रों की टीम ने स्वर्ण पदक हासिल किया है। इसके अलावा वॉलीबाल (कक्षा नौवीं से बारहवीं) ने छात्रों की टीम ने स्वर्ण पदक हासिल किया है।

यह रहे मौजूद

चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व वाइस चेयरपर्सन डॉ. ऊषा यादव ने सभी विजेता खिलाड़ियों व टीमों को मेडल प्रदान किए। प्राचार्य विनोद यादव ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस व्यस्ततम जीवन में खेल व व्यायाम अत्यावश्यक है। व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में शिक्षा, स्वास्थ्य व खेल तीनों का समान महत्व है। अतः स्वस्थ रहने के लिए बच्चों में सकारात्मक विचारधारा जागृत करने के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेल आदि भी आवश्यक हैं। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, उप प्राचार्य सपना मल्होत्रा, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी, को-ऑर्डिनेटर भावेश गोयल तथा कोच पूनम देवी व राहुल आदि उपस्थित थे।

माता मरियम में बेटियों के सम्मान में कार्यक्रम आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नसीबपुर स्थित माता मरियम जनसेवा विद्यालय का वार्षिकोत्सव समारोह सात नवंबर को बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम सायं 5:30 बजे प्रारंभ होगा। यह जानकारी देते हुए स्कूल के प्राचार्य फादर जॉन एम. फर्नांडिस ने बताया कि वार्षिक उत्सव में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इस कार्यक्रम को ऋत्वः शीर्षक दिया गया है तथा इसमें हरियाणा प्रदेश के बेटियों की मटके से मेडल तक पहुंचने की जीवनगाथा को दर्शाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि हरियाणा की बेटियां अब चूल्हा–चौका से लेकर पानी के मटके लाने तक सीमित नहीं हैं। अब वे इस सीमा से बाहर निकलकर देश के लिए मेडल लाने लगी हैं और राष्ट्रीय नहीं, अपितु अंतर राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना चुकी हैं। ओलंपियन गीता–बबीता ही नहीं, वैज्ञानिक कल्पना चावला एवं सुनीता विलियम्स इसके नामी उदाहरण हैं, जिन्होंने विश्व क्षितिज पर अपना नाम लिखा है।

वार्षिक उत्सव पर आमंत्रित

प्राचार्य ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली बोर्ड अध्यक्ष आर्क बिशप डॉ. अनिल जेटी कूटो होंगे, वहीं बिशप दीपक वी. टोरों कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। विधायक ओमप्रकाश यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि वार्षिक उत्सव पर स्कूल के होनहार छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विद्यालय के जिन छात्रों ने पीएमटी, इंजीनियरिंग व अन्य क्षेत्रों में सफलता प्राप्त की है, उन्हें भी इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न कक्षाओं में मेरिट में आने वाले बच्चों को भी मुख्य अतिथि व अन्य अतिथि अपने हाथों से सम्मानित करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ–साथ उनके अभिभावकों एवं गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया है।

सीए फाउंडेशन की परीक्षा में एसडी स्कूल की छात्रा उत्तीर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला की छात्रा ने सीए फाउंडेशन की परीक्षा उत्तीर्ण की है। चेयरमैन जगदेव यादव ने बताया कि वाणिज्य संकाय की छात्रा सोनम ने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के सौजन्य से आयोजित प्रवेश परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि सोनम ने पहले प्रयास में ही यह परीक्षा पास की है। जो सबके विद्यार्थियों के लिए गर्व की बात है। इस उपलब्धि पर उन्होंने अभिभावक व शिक्षकों को इसी प्रकार मेहनत के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने छात्रा को पारितोषिक वितरित कर सम्मानित किया है। इस अवसर पर प्राचार्य ओमप्रकाश, वरिष्ठ सदस्य राजेन्द्र यादव, सीईओ आरएस यादव, उपप्राचार्य पूर्ण सिंह, सुनील यादव, देवव्रत, अनिता यादव, स्नेहलता आदि उपस्थित थे।

छात्रा सोनम।

- छात्रा को पारितोषिक वितरित कर सम्मानित किया

मनमोहा युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जमाया रंग, आज समापन होगा

डीसी ने किया दो दिवसीय युवा महोत्सव का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने सभागार भवन में विकसित युवा-विकसित भारत थीम पर चलने वाले दो दिवसीय जिला युवा महोत्सव का शुभारंभ किया। जिला प्रशासन तथा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

इसके अलावा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी आयोजित करवाई गई। वहीं सभागार भवन के प्रांगण में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने नवाचार ट्रैक (साइंस मेला) के तहत जैव प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा आदि जैसे क्षेत्रों में अपने नवाचारी प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए।

इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि एक ओर युवा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हमारी समृद्ध विरासत और कला का प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सभागार भवन के प्रांगण में नवाचार ट्रैक के तहत जो अद्भुत प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए गए हैं, वे हमारे भविष्य की तस्वीर दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि यह मंच आपको अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने, अपनी कमजोरियों को पहचानने और एक-दूसरे से सीखने का अवसर देता है। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त ने दीप प्रज्ज्वलित किया गया। अंध महाविद्यालय की लड़कियों द्वारा स्वागत गीत उपायुक्त के लिए गाया गया। इसके बाद प्रिंसिपल राजकीय आईटीआई के द्वारा मुख्य अतिथि व सभी अन्य अतिथियों का स्वागत किया।

नारनौल। कार्यक्रम का शुभारंभ करते डीसी व कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देती छात्राएं फोटोः हरिभूमि

सभी का स्वागत किया

इस दौरान आईटीआई के प्रिंसिपल विनोद खनगवाल ने सभी का स्वागत किया। मंच संचालन डॉ. ममता शर्मा व सिमरन चौहान ने किया। इस मौके पर आईटीआई के चेयरमैन सुरेश चौधरी, डीएचई की नोडल अधिकारी डॉ पूर्ण प्रभा आदि मौजूद थे।